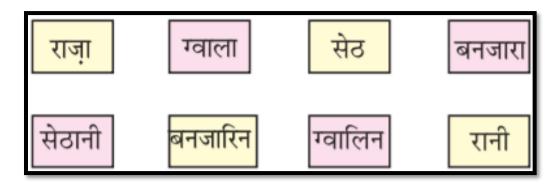
हिन्दी धारण - 7 क्रियात्मक कसोटी

1. निम्नितिखित शब्द कार्ड के शब्दों के लिंग पहचान कर पुल्लिंग-स्त्रीलिंग शब्दों की जोड़ बनाइए :



- (1) राजा रानी (2) ग्वाला ग्वालिन
- (3) सेठ सेठानी (4) बनजारा बनजारिन

2. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ शब्दकोश में से ढूँढ़कर बताइए।

ढोना सूद पंथ ढेरों मोल

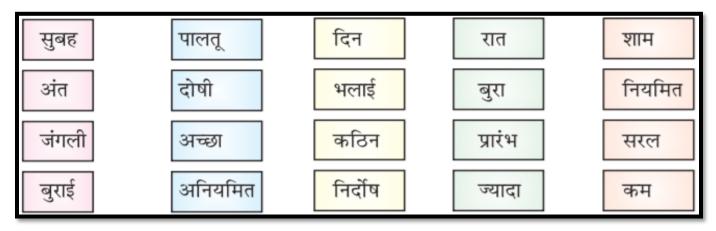
- (1) ढोना उठाकर या लादकर ले जाना
- (2) सूद ब्याज
- (3) पंथ मार्ग, रास्ता
- (4) ढेरों बहुत
- (5) मोल मूल्य, कीमत

3. श्यामपृष्ट के कोष्ठक में दिए शब्दों को उचित क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

- (1) मोर हमारे देश का राष्ट्रीय पक्षी है।
- (2) जल ही जीवन है।
- (3) अखबार पढ़ना अच्छी बात है।
- (4) क्रिकेट वर्ल्डकप 2011 में भारत वर्ल्ड चैम्पियन बना।

मोर	जीवन	भारत	अखबार
ज ल	पढ़ना	केट	देश
अच्छी	बात	ही	राष्ट्रीय
क्रिकेट वर्ल्डकप	हमारे	2011	पक्षी
वर्ल्ड चेम्पियन	देश	का	बना

4. निम्नलिखित शब्द-पत्तों को विरुद्धार्थी शब्दों की जोड़ में रिखए और वाक्य बनाइए :



- (1) सुबह X शाम
- > वह सुबह से शाम तक काम करता रहता है।

सुबह	पालतू	दिन	रात	शाम
अंत	दोषी	भलाई	बुरा	नियमित
जंगली	अच्छा	कठिन	प्रारंभ	सरल
बुराई	अनियमित	निर्दोष	ज्यादा	कम

(2) प्रारंभ X अंत

- > मैंने प्रारंभ से अंत तक पुस्तक पढ़ ली है।
- (3) दिन X रात
- > कहीं दिन है, तो कहीं रात ।
- (4) पालतू x जंगली
- > गाय पालतू और बाघ जंगली पशु है।

सुबह	पालतू	दिन	रात	शाम
अंत	दोषी	भलाई	बुरा	नियमित
जंगली	अच्छा	कठिन	प्रारंभ	सरल
बुराई	अनियमित	निर्दोष	ज्यादा	कम

(5) अलाई X बुराई

- > सबकी भलाई करो और बुराई से दूर रहो।
- (6) अच्छा X बुरा
- > उस कार्य का आरंभ अच्छा, पर अंत बुरा हुआ।
- (7) कठिन X सरल
- > कुछ प्रश्न कठिन हैं, तो कुछ सरल।

सुबह	पालतू	दिन	रात	शाम
अंत	दोषी	भलाई	बुरा	नियमित
जंगली	अच्छा	कठिन	प्रारंभ	सरल
बुराई	अनियमित	निर्दोष	ज्यादा	कम

(8) नियमित X अनियमित

- > वह नियमित व्यायाम करता है, पर पढ़ाई में अनियमित है।
- (9) ज्यादा X कम
- > मजदूर ने काम ज्यादा किया, पर उसे पैसे कम मिले।
- (10) दोष X गुण
- > तुम अपने दोष देखो, वह तो गुणवान है।

5. काव्यपंक्ति एवं भावार्थ आधारित पट्टियों की सही जोड़ मिलाकर पढ़िए:

कलियाँ दरवाजे खोलकर दुनिया पर मुसकाती है।	जब ठंडी ठंडी हवा कहीं से मस्ती ढोकर लाती है
छम-छम बूँदें गिरती हैं और बिजली चमकती है।	ठंडी हवा अपने साथ मस्ती लाती है।
कलियाँ दरवाजे खोल-खोल जब दुनिया पर	जब छम-छम बूँदे गिरती हैं, बिजली चम-चम
मुसकाती हैं।	कर जाती है।

(1) कलियाँ दरवाजे खोल-खोल जब दुनिया पर मुसकाती हैं।



कियाँ दरवाजे खोलकर दुनिया पर मुसकाती हैं।



छम-छम बूंदें गिरती हैं और बिजली चमकती है।

(3) जब ठंडी-ठंडी हवा कहीं से मस्ती ढोकर लाती है।



ठंडी हवा अपने साथ मस्ती लाती है।

